Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-9

भारतीय राजनीति : नए बदलाव

- 1980 के आखिर के सालों में भारत में कई बड़े बदलाव आये।

- कांग्रेस प्रणाली की समाप्ति : 1989 के बाद देश की राजनीति में कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया।

- मंडल मुद्रा :- 1990 में वी. पी. सिंह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को अचानक लागू कर दिया और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को सरकारी नौकरियां में आरक्षण दे दिया।

- मंडल मुद्दे के राजनीतिकरण के परिणामस्वरूप अन्य पिछड़ा वर्ग भारतीय राजनीति के एक निर्धारक तत्व के रूप में उभर कर आया।

- नई आर्थिक नीति : 1991 में पी. वी नरसिम्हाराव के नेतृत्व वाली सरकार जिसके वित्तमंत्री मनमोहन सिंह थे ने देश में नई आर्थिक नीति लागू की जिसे बाद में आने वाली सभी सरकारो ने जारी रखा।

- अयोध्या मुद्रा : दिसम्बर 1992 में अयोध्या स्थित एक विवादित ढाँचे को नुकसान पहुँचाने के बाद देश में साम्प्रदायिक तनाव फैल गया।

- मई 1991 में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई।

- 2002 में गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क गये।

- कांग्रेस प्रणाली की समाप्ति के बाद के समय में भी कांग्रेस एक महत्वपूर्ण पार्टी बनी रही। भारतीय जनता पार्टी और बहुजन समाज पार्टी देश की राजनीति में प्रभावशाली ताकत के रूप में उभरी।

- 1989 के चुनावों के बाद गठबंधन का एक नया युग शुरू हो गया। इसके बाद बनी सभी सरकारें या तो अल्पमत सरकार थी या विभिन्न दलों की मिलीजुली अर्थात गठबंधन सरकार थी।

- सहमति के मुद्दे : गठबंधन के इस दौर के कुछ मुद्दे ऐसे रहें हैं जिन पर देश के अधिकतर राजनीतिक दलों के बीच एक सहमति सी जान पड़ती है। ये मुद्दें निम्न हैं :-

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

भारतीय राजनीति : नए बदलाव

– नई आर्थिक नीति

– पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावों की स्वीकृति

– देश की राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का प्रस्ताव स्वीकार करना

– विचारधारात्मक पक्ष की जगह कार्य सिद्धि पर जोर और विचारधारात्मक सहमति के बिना राजनीतिक गठजोड़।

एक अंकीय प्रश्न

1. मंडल आयोग की मुख्य सिफारिश क्या थी?
2. निम्न कथन को शुद्ध कीजिए :–

   'कांग्रेस प्रणाली का अंत 2004 के आम चुनावों के उपरांत हुआ।'
3. भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई?
4. शाहबानों मामला कब सामने आया?
5. भारतीय जनता पार्टी का गठन कब हुआ?
6. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना में किसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी?
7. गुजरात में साम्प्रदायिक दंगे कब भड़के?
8. गुजरात में किस घटना की प्रतिक्रिया स्वरूप दंगे भड़के?
9. वर्तमान में किस दल की सरकार चल रही है?

दो अंकीय प्रश्न

1. कांग्रेस प्रणाली के अंत से क्या अभिप्राय है?
2. दो गठबंधन सरकारों के उदाहरण दीजिए?
3. निम्न में से कौन कभी प्रधानमंत्री नहीं रहे :

   (अ) सोनिया गांधी (ब) इन्द्रकुमार गुजराल (3) चन्द्रशेखर (4) लालकृष्ण आडवाणी
4. गठबंधन सरकार से क्या अभिप्राय है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

5. मंडल आयोग की नियुक्ति कब की गई? इसके अध्यक्ष कौन थे?

6. किस वर्ष लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी में 415 सीटें जीती? उस समय प्रधानमंत्री कौन बना?

7. अल्पसंख्यक समुदाय के विरूद्ध किन्हीं दो हिसंक घटनाओं का उल्लेख कीजिए जो लोकतंत्र के लिए खतरा है?

8. बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के अभ्युदय पर टिप्पणी कीजिए

9. निम्न को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थिता करे :-

(क) संप्रग सरकार का गठन

(ख) गोधरा की दुर्घटना

(ग) मंडल आयोग की सिफारिश लागू करना

(घ) बाबरी मस्जिद का विध्वंस

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत में गठबंधन की राजनीति का एक लम्बा दौर कब और क्यों प्रारम्भ हुआ?

2. मंडल मुद्दे पर टिप्पणी कीजिए।

3. गठबंधन सरकार के पक्ष और विपक्ष में से दो-दो तर्क दीजिए।

4. दिसंबर 1992 की अयोध्या घटना के क्या प्रभाव हुए?

5. भाजपा के विकासक्रम का उल्लेख कीजिए।

6. 1984 से 2004 तक कांग्रेस और भाजपा (बीजेपी) की चुनावी हार-जीत का बदलता परिदृश्य कैसा था?

7. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :-

(क) सर्वानुमति की राजनीति	(i) शाहबानो मामला
(ख) जाति आधारित दी	(ii) अन्य पिछड़ा वर्ग का उभार
(ग) पर्सनल लॉ और लैंगिक न्याय	(iii) गठबंधन सरकार
(घ) क्षेत्रीय पार्टियों की बढ़ती ताकत	(iv) आर्थिक नीतियों पर सहमति

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. मिलान कीजिए :-

(क) एच. वी देवगौड़ा	(i) राजग गठबंधन
(ख) मोहन सिंह	(ii) राष्ट्रीय मोर्चा
(ग) अटल बिहारी बाजपेयी	(i) संप्रग गठबंधन
(ख) वी. पी. सिंह	(ii) संयुक्त मोर्चा

छ अंकीय प्रश्न

1. कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है। इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर लगातार कायम है। क्या आप इस बात से सहमत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
2. गठबंधन का युग 1989 से प्रारंभ हुआ और धीरे-धीरे भारत की राजनीति में स्थायी हो गया। इस कथन पर प्रकाश डालिये।
3. 1989 के बाद भारतीय राजनीति में छाए रहे मुद्दो एवं बदलावों की चर्चा कीजिए?
4. वर्तमान भारतीय राजनीति में अधिकतर दलों की मात्रा सहमति वाली बातों को इंगित कीजिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. अन्य पिछड़े वर्गो (ओबीसी) को सरकारी नौकरियों में आरक्षण
2. कांग्रेस प्रणाली का अंत 1989 के आम चुनावों के उपरांत हुआ।
3. 1991 में
4. 1985 में
5. 1980 में
6. कांशीराम की
7. 2002 में
8. गोधरा की घटना
9. संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (संप्रग) की।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. राष्ट्रीय मोर्चा सरकार द्वारा 1990 में।

3. भारतीय जनता पार्टी।

4. 2002 में

5. 1980 में

6. 1984 में

7. कांशीराम की।

8. सन् 1985 में

9. सन् 1991 में

10. कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. 1989 के बाद कांग्रेस का प्रभुत्व समाप्त हो गया।

2. 1989 की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार

   1996 की संयुक्त मोर्चा सरकार आदि।

3. सोनिया गांधी, लालकृष्ण आडवाणी

4. कई राजनीतिक दलों द्वारा मिलकर सरकार बनाना।

5. 1978 में जनता पार्टी सरकार के समय।

   इसके अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल थे।

6. 1984 के चुनावों में राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने।

8. कांशीराम की भूमिका-1984 में स्थापना, शुरूआती दौर में उत्तर प्रदेश और पंजाब के दलितों का समर्थन मिला।

9. - 1990 : मंडल आयोग की सिफारिश लागू करना
   - 1992 : बाबरी मस्जिद का विध्वंस
   - 2002 : गोधरा की दुर्घटना
   - 2004 : संप्रग सरकार का गठन

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

2. -1978 में जनता पार्टी सरकार द्वारा मंडल कमीशन की नियुक्ति
   - 1980 में सिफारिशें पेश की
   - 1990 में अन्य पिछड़ा को आरक्षण संबंधी सिफारिशें वी. पी. सिंह सरकार ने लागू कर दी।
   - सरकार के फैसले से उत्तर भारत के कई शहरों में हिसंक विरोध उभरा

3. पक्ष में तर्क - (1) क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने में सहायक
   (2) विभिन्न पक्षों का सरकार ने प्रतिनिधित्व

   विपक्ष में तर्क - (1) राजनीतिक अस्थिरता
   (2) नीतियों में दृढ़ता का अभाव

4. - उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार केन्द्र द्वारा बर्खास्त
   - उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू
   - देश में सांप्रदायिक तनाव
   - केन्द्र सरकार द्वारा जांच आयोग की नियुक्ति
   - अधिकतर राजनीतिक दलों पर घटना की निंदा आदि।

5. - 1980 में गठन, 1980 और 1984 के चुनावों में खास सफलता नहीं
   - 1986 के बाद हिन्दु राष्ट्रवाद के तत्वों पर जोर
   - राम जन्म भूमि सुरक्षा
   - 1996 में सबसे बड़ी पार्टी बनी
   - 1998 से 2004 तक भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार

6. (क) ..... (iv)
   (ख) ..... (ii)
   (ग) ..... (i)
   (घ) ..... (iii)

7. (क) ..... (iv)
   (ख) ..... (iii)
   (ग) ..... (i)
   (घ) ..... (ii)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1989 में कांग्रेस के प्रभुत्व के दौर की समाप्ति

- इसके बावजूद बाद के अधिकतर समय कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी रही है।
- 1991 से 1996 तक केन्द्र में इसकी सरकार रही है।
- 2004 से लेकर अब तक कांग्रेस के नेतृत्व वाला संप्रग गठबंधन केन्द्र में सता पर काबिज है।
- राज्यों में भी अन्य कांग्रेस का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है आदि

2 1989 के बाद से केन्द्र में किसी एक दल की केवल अपने दम पर सरकार नहीं बनी या तो समर्थन से बनी या गठबंधन से

- क्षेत्रीय दलों की ताकत बढ़ी है
- राष्ट्रीय राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की पारस्परिक निर्भरता बढ़ी है।
- 1989, 1990, 1996, 1997, 1998, 1999, 2004, 2009 की गठबंधन सरकारें
- राज्यों की राजनीति में गठबंधन की बढ़ता महत्व आदि।

3. - कांग्रेस के वर्चस्व के दौर की समाप्ति
- मंडल मुद्रा
- नई आर्थिक नीति
- अयोध्या विवाद
- गठबंधन की राजनीति
- क्षेत्रीय दलों का बढ़ता प्रभाव आदि

3. नयी आर्थिक नीति

- पिछ़डी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावो की स्वीकृति
- अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण
- देश में क्षेत्रीय दलों की भूमिका को स्वीकारना
- विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर जोट
- गठबंधन की राजनीति आदि

Downloaded from www.studiestoday.com